

# **"Тафсири Ҳилол" китоби "Ҳилол Нашр" томонидан чоп этилди**



05:00 / 02.02.2015 3528

## **"Тафсири Ҳилол" китоби "Ҳилол Нашр" томонидан чоп этилди**

Шайх Муҳаммад Содик Муҳаммад Юсуф ҳазратларининг қаламлариға мансуб олти жилдлик «Тафсири Ҳилол»нинг иккинчи нашри «HIOL NASHR» Нашриёт-матбааси томонидан чоп этилди.

«Тафсири Ҳилол» - бутун оламга мударрис бўлган буюк уламолар юрти - Мовароуннаҳр диёрида ёзилган энг янги тафсирдир. Замонамизнинг забардаст олимларидан бири шайх Муҳаммад Содик Муҳаммад Юсуф ҳазратларининг ушбу тафсирлари ўзининг содда ва равон тили, теран ва дақиқ услуби билан ажralиб турувчи шоҳ асардир. «Тафири Ҳилол» мўътабар тафсирларининг анъаналариға содик қолган ҳолда, бугунги кун китобхонининг савияси, дунёқараши ва эҳтитёжларини ҳам ҳисобга олиб ёзилган бўлиб, ўқувчини Қуръони карим маъноларининг битмас-туғанмас

Хикматларига ошно этади.

**Муаллиф:** Шайх Мұхаммад Содиқ Мұхаммад Юсуф

**Номи:** Тафсири Ҳилол. б жилдлик.

**Наширет:** «HIOL NASHR» Нашриёт-матбааси

**Сана:** 2013

**Ҳажми:**

**1-жуз** 664 бет; ISBN 978-9943-41-56-8-3

**2-жуз** 640 бет; ISBN 978-9943-41-56-9-0

**3-жуз** 672 бет; ISBN 978-9943-41-57-0-6

**4-жуз** 640 бет; ISBN 978-9943-41-57-1-3

**5-жуз** 672 бет; ISBN 978-9943-41-57-2-0

**6-жуз** 640 бет; ISBN 978-9943-41-57-3-7

**Үлчами:** 70×100 1/16

Ўзбекистон Республикаси Вазирлар Маҳкамаси ҳузуридаги Дин ишлари бўйича қўмитанинг 1983-сонли тавсияси илингдан этилган

**Мурожаат учун телефон:**

Тошкент шаҳри: (+998 71) 216 29 27

Наманган, Асака, Марғилон шаҳарлари: (+998 90) 322 25 22

Андижон шаҳри: (+998 90) 388 1212

Самарқанд шаҳри: (+99891) 522 44 99

Денов шаҳри: (+99890) 9951341

Ургенч шаҳри: (+99894) 1188880

Мундарижа (сураларнинг жилдлар бўйича тақсимоти)

**1-жилд**

Муқаддима

1. Фотиҳа сураси

2. Бақара

3. Оли Имрон

4. Нисо

**2-жилд**

- 5. Мойда
- 6. Аньом
- 7. Аъроф
- 8. Анфол
- 9. Тавба

**3-жилд**

- 10. Юнус
- 11. Ҳуд
- 12. Юсуф
- 13. Раъд
- 14. Иброҳим
- 15. Ҳижр
- 16. Наҳл
- 17. Исро
- 18. Каҳф
- 19. Марям
- 20. Тоҳа
- 21. Анбиё

**4-жилд**

- 22. Ҳаж
- 23. Муъминун
- 24. Нур
- 25. Фурқон
- 26. Шуаро
- 27. Намл
- 28. Қосос
- 29. Анкабут
- 30. Рум
- 31. Луқмон
- 32. Сажда
- 33. Аҳзоб

**5-жилд**

- 34. Сабаъ
- 35. Фотир
- 36. Ясин
- 37. Соффат

- 38. Сод
- 39. Зумар
- 40. Ғофир
- 41. Фуссилат
- 42. Шўро
- 43. Зухруф
- 44. Духон
- 45. Жосия
- 46. Аҳқоф
- 47. Муҳаммад
- 48. Фатҳ
- 49. Ҳужурот
- 50. Қоғ
- 51. Зарият
- 52. Тур
- 53. Нажм
- 54. Қамар

### **6-жилд**

- 55. Ар-Роҳман
- 56. Вокеа
- 57. Ҳадид
- 58. Мужодала
- 59. Ҳашр
- 60. Мумтаҳана
- 61. Соғ
- 62. Жумуъа
- 63. Муноғиқун
- 64. Тағобун
- 65. Талоқ
- 66. Таҳрим
- 67. Мулк
- 68. Қалам
- 69. Ал-Ҳаққо
- 70. Маориж
- 71. Нуҳ
- 72. Жин
- 73. Муззаммил
- 74. Муддассир
- 75. Қийама

76. Инсон
77. Мурсалат
78. Набаъ
79. Назиъат
80. Абаса
81. Таквир
82. Инфитор
83. Мутоффифин
84. Инишқок
85. Буруж
86. Ториқ
87. Аъла
88. Фошия
89. Фажр
90. Балад
91. Шамс
92. Лайл
93. Зуҳо
94. Шарҳ
95. Тийн
96. Алақ
97. Қодр
98. Баййина
99. Залзала
100. Адият
101. Қориъа
102. Такасур
103. Аср
104. Ҳумаза
105. Фил
106. Қурайш
107. Маъун
108. Кавсар
109. Кафирун
110. Наср
111. Масад
112. Ихлос
113. Фалақ
114. Нас

«Тафсири Ҳилол» ўқувчиларига  
Қуръон тушишининг бошланиши  
Қуръоннинг жамланиши  
Қуръоннинг тарқоқ тушиши ва унинг ҳикматлари  
Қуръоннинг инсонларни ожиз қолдириши  
Қуръоннинг мўъжизакорлиги  
Қуръонни қандоқ ўқиймиз  
Мовароуннаҳрда тафсир ва муфассирлар  
Ушбу тафсирнинг баъзи хусусиятлари (Сўнгсўз ўрнида)